>

Title: Need to augment medical infrastructure facilities in the country to address the shortage of doctors in rural areas of the country. *

डॉ. ज्योति मिर्धा (नागौर): सभापति महोदय, मैं सदन का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आकर्षित कराना चाहती हूं। आपको ध्यान होगा कि हाल ही में हेल्थ मिनिस्टर की तरफ से एक स्टेटमेंट जारी हुआ था कि सभी अपोजीशन के चलते हुए भी, वह रूरल एमबीबीएस का जो कोर्स है, उसको एनाउंस करने की बात कर चुके हैं। मैं चाहूंगी कि आपका इंटरवेंशन इसके अंदर हो। रूरल एमबीबीएस एक तो रिट्रोग्रेट स्टेप है। जो चीज आज से कई सालों पहले हमने लाइसेंस्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर का जो काडर था, उसे खत्म करके, दो साल का एक स्पेशल कोर्स उनके लिए लाकर उनको एमबीबीएस के ऐट पार लेकर आए थे। सारे मेडिकल स्कूल्स को हमने बंद किया था। आज फिर से हम वर्ष 2011 के अंदर एक ऐसी चीज करने जा रहे हैं, जो कि दोहरे मापदंड करेगा। राज्यों के अंदर जो गरीब हैं, जो गांव के लोग हैं, उनके लिए रूरल एमबीबीएस, जो कि तीन, साढ़े तीन साल के अंदर चालीस माडयूल पढ़कर डाक्टरी का कोर्स करके आएंगे, वे लोग उनका इलाज करेंगे और शहरों के अंदर एमबीबीएस डाक्टर मिनिमम क्वालिफिकेशन मानी जाएगी।

19.00 hrs.

इसमें बहुत नुकसान हो सकता है क्योंकि जिंदगी का सवाल है। डाक्टर के साथ-साथ जो डाक्टर्स को पढ़ाने वाले टीचर्स हैं, आप उन की भी ट्रेनिंग करेंगे कि आप इन डाक्टर्स को नए सिरे से पढ़ाएंगे। इसलिए तुम्हारी भी ट्रेनिंग दुबारा से होगी। हम सभी जानते हैं कि गांवों में डाक्टर्स की कमी है इसका मतलब यह नहीं है कि आप कम्पाउण्डर की ट्रेनिंग दें और उस के ऊपर डाक्टर को स्टीकर लगा कर गांवों में उन्हें भेज देंगे तो गांवों की जो गरीब जनता है, जो अनपढ़ हैं उनके साथ यह खिलवाड़ होगा। यह अनकान्सिट्यूशनल है। अभी सबसे बड़ी बात यह है कि हेल्थ की जो स्टैंडिंग कमेटी है वह इस सब्जेक्ट को इग्जैमिन कर रही है। वह इसको इवैल्यूएट कर रही है। वहां पर मंत्रालय बहुत पक्का जवाब नहीं दे पा रहा है। सदन के अंदर बारबार रिपीट होने के बाद भी कि उसको सदन के अंदर ले कर आएं। रूरल एमबीबीएस को एक बार डिसकस करें। इस पर डिस्कशन भी अभी तक नहीं हुआ है। मेरा सदन से निवेदन है कि हेल्थ मंत्री इस पर एक कॉल लें। ...(व्यवधान) Sir, this is very important. यह अनकान्सिटूशनल है। रूरल एमबीबीएस, गांव के डाक्टर चालीस माडयूल पढ़ कर और साढ़े तीन साल के अंदर डाक्टर बन कर चला जाएगा और वह डाक्टर माना जाएगा। ...(व्यवधान) इसके ऊपर सदन में चर्चा होनी चाहिए। मैं सभी लोगों से रिक्वेस्ट करती हूं कि इसके ऊपर ऐक्शन जरूर लिया जाए।

SHRI P.C. CHACKO (THRISSUR): Sir, the Government should not do this. ...(*Interruptions*) This should be stopped. ...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : Shri P.C. Chacko, Shrimati Annu Tandon, Shrimati Botcha Jhansi Lakshmi, Shri Sajjan Verma, Shri Arjun Ram Meghwal, Shri Dhananjay Singh, Shri Kamal Kishore 'Commando', Shrimati Poonam Veljibhai Jat, Shri Gorakhnath Pandey Shrimati Jayshreeben Patel and Dr. P. Venugopal are allowed to associate with Dr. Jyoti Mirdha on this issue.